IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शीर्षक/शोध समस्या – "समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम : जोधपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में कार्यक्रमों की क्रियान्विती उपलब्धियों पर एक शोध प्रबन्धन"

(लेख – पर्यावरणीय स्वास्थ्य वृद्धि में शिक्षा का योगदान)

डॉ. (श्रीमती) समीना

निर्देशिका एवं विभागाध्यक्ष

(शिक्षा संकाय)

मौलाना आजाद युनिर्वसिटी, बुझावड़, जोधपुर

हनुमान सिंह इन्दा

Ph.D. Scholer (Education)

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

एम.काम. (वितीय प्रबंध)

एम.फिल. (व्यावसायिक वित एवं अर्थशास्त्र)

परिचय – समग्र शिक्षा अभियान जोधपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में कार्यक्रमों की क्रियान्विती एवं उपलब्धियों पर एक शोध प्रबन्धन अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। अब कक्षा 1 से 12वीं तक की शिक्षा के क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग का कार्य 'रमसा' व एस.एस.ए. के माध्यम से अलग से न किया जाकर, समग्र शिक्षा अभियान 'समसा' के माध्यम के तहत किया जाता है।

समग्र शिक्षा अभियान – केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा 24 मई 1918 को इस सरकारी महत्वाकांक्षी समग्र शिक्षा योजना की शुरूआत की गई।

शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए समग्र शिक्षा अभियान को एस.एस.ए. तथा रमसा तथा डाइट का एकत्रीकरण कर क्रियान्वित किया गया।

अब शिक्षा को टुकड़े–टुकड़े में नहीं देखकर एक समग्र दृष्टि से अर्थात कक्षा 1 से 12 तक शिक्षा व्यवस्था 'समसा' द्वारा देखी जाती है। अब संयुक्त निदेशक तथा जिला स्तर पर शिक्षा व्यवस्था सी डी ई ओ व सी बी ई ओ, पी ई ओ द्वारा संयुक्त रूप से मॉनिटरिंग दायित्व का वहन करेंगे।

समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत लगभग 37 प्रमुख कार्य व गतिविधियों का संचालन किया जाता है। और इसी के एक प्रमुख कार्य पर्यावरण संतुलन संबंधी शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा, हरित पाठशाला कार्यक्रम, इको क्लब आदि की क्रियान्विती–उपलब्धियों का अध्ययन अनुसंधान में किया गया है।

इस प्रकार समग्र शिक्षा अभियान द्वारा प्रत्येक जिलों में शिक्षण व्यवस्था तथा मॉनिटरिंग के साथ कार्यान्वयन किया जाता है। इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम व विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता है। जोधपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में भी इन प्रमुख कार्यक्रमों की क्रियान्विती व उपलब्धियों पर शोधार्थी द्वारा एक शोध प्रबन्धन किया गया है। जिसके अन्तर्गत कुछ प्रमुख गतिविधियों शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम हरित पाठशाला कार्यक्रम, यूथ एवं इको क्लब आदि की स्थिति अर्थात क्रियान्विती एवं उपलब्धियों को अनुसंधान में स्पष्ट किया गया है। "The role of education in promotion of Environmental Health" का ही एक भाग है। इसका हिन्दी रूपानतरण पर्यावरणीय स्वास्थ्य वृद्धि में शिक्षा का योगदान है।

समस्या – शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम क्रियान्विती एवं उपलब्धि पर लेख (Article)

पर्यावरणीय स्वास्थ्य – पर्यावरण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हमारे स्वास्थ्य और खुशहाली पर प्रभाव डालता है। पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर्यावरण और हमारे स्वास्थ्य के बीच की अन्तः क्रिया की जांच करता है।

परिभाषा – ''पर्यावरणीय स्वास्थ्य से तात्पर्य मानव स्वास्थ्य (जीवन की गुणवता सहित) के उन पहलुओं से है जो पर्यावरण में भौतिक, रासायनिक, जैविक, सामाजिक और मनो सामाजिक कारको द्वारा निर्धारित होता है।''

पर्यावरण में मोटे तौर पर हमसे बाहर की सभी चीजें शामिल है, जिनमें भौतिक, प्राकृतिक, सामाजिक और व्यवहारिक वातावरण शामिल है। इसमें साफ हवा, सुरक्षित (स्वच्छ) पेयजल और पौष्टिक आहार रहने के लिए सुरक्षित स्थान भी आ जाते है। इस आलेख में पर्यावरण में भौतिक व सामाजिक कारणों को 'समसा' के कार्यक्रम व गतिविधियों की क्रियान्विती व उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है जो राजकीय विद्यालयों में संचालित हो रही है। सत्र 1920–21 व सत्र 2021–22 की स्थिति प्रकट की गयी है।

उद्देश्य –

1. समग्र शिक्षा के अन्तर्गत शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम से जब साधारण को अवगत कराना।

2. इन विभिन्न गतिविधियों यथा हरित पाठशाला कार्यक्रम, यूथ एवं इको क्लब में क्रियान्विती एवं उपलब्धियों से अवगत कराना।

3. गुणवतापूर्ण व मात्रात्मक परिणामों में वृद्धि से अभिभावकों व अन्य जन साधारण को जानकारी कराना।

4. राजकीय विद्यालयों में होने वाली उक्त गतिविधियों के संचालन की स्थितियों की जानकारी कराना, जिससे प्रेरित होकर प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण के संतुलन को बनाये रख सकें।

5. पर्यावरण स्वास्थ्य वृद्धि में योगदान करना सीखाना।

समग्र शिक्षा अभियान के कार्य SWSHE – शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के अन्तग्रत अभिभावकों एवं जन साधारण को जानकारी कराने हेतु क्रियान्विती में शाला में पेयजल पानी की टंकी/पानी होद के रूप में विद्यालयों में व्यवस्था होती है, यह पानी शाला भवन के ऊपर टंकियों में चढ़ाया जाता है। जिसे सभी विद्यार्थी पानी पीते है। इसकी स्वच्छता आवश्यक है जिससे वे बीमार न पड़े। इन होद या टंकियों की समय–समय सफाई कार्य बड़े बच्चों व अध्यापकों के सहयोग से करवाया जाता है। इनमें लाल दवा पोटेशियम पर मेगनेट भी डाली जाती है। आजकल सरकार द्वारा चिकित्सा विभाग द्वारा ए.एन.एम. (नर्स) द्वारा पेयजल स्वच्छ रखने का सहयोग आवश्यक रूप से दिया जाता है।

जोधपुर जिले के प्रत्येक ब्लॉक में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र विद्यालयों मे स्वच्छ पेयजल हेतु व मादा मच्छरों के लार्वा को मारने हेतु सक्रिय रहता है जिससे मलेरिया रोग व डेंगू रोग न बढ़ सके। अर्थात् पर्यावरणीय स्वास्थ्य वृद्धि में शिक्षालय व चिकित्सालयों का सराहनीय प्रयास रहता है।

इस कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियां –

सभी राजकीय विद्यालयों में बालक/बालिकाओं हेतु पृथक–पृथक/मुत्रालयों की सुविधा उपलब्ध करवाना व साफ–साफ रख रखाव एवं विद्यार्थियों में शौच के बाद व मिड्डे मील से पूर्व साबुन से हाथ धोने हेतु बालक/बालिकाओं को प्रेरित करना भी 'समसा' द्वारा किया जाता है, इसके अतिरिक्त

- विद्यालय में वर्ष पर्यन्त पेयजल की सुविधा प्रदान करना।
- प्रतिवर्ष विश्व हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर को समस्त राजकीय विद्यालयों में विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन किया जाता है।
- राजकीय व निजी विद्यालयों में 10 फरवरी को राष्ट्रीय डिवार्मिंग दिवस पर अध्ययनरत बालक–बालिकाओं को पेट के कीड़ों से मुक्ति के उद्देश्य से डिवार्मिंग की गोली निःशुल्क खिलायी जाती है। वर्ष 2012 से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSER) अन्तर्गत समस्त राजकीय विद्यालयों में प्रत्येक छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर समग्र शिक्षा अभियान द्वारा निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। आवश्यकतानुसार बालक/बालिकाओं की सर्जरी भी करवायी जाती है।
- विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत समस्त छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक उपायों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

हरित पाठशाला कार्यक्रम (पर्यावरण संतुलन)

समसा द्वारा हरित पाठशाला कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिवर्ष जुलाई माह में समस्त विद्यालयों में आवश्यक रूप से पौधारोपण का एक लक्ष्य प्रति विद्यालय के हिसाब से नर्सरी पौधशाला से बहुत सारे छोटे–छोटे पौधे पौधारोपण कार्यक्रम हेतु दिए जाते है। यह पौध प्रति विद्यालय 50 से 100 पौधे लगाने को प्रदान किये जाते है तथा विद्यालय के बालक/बालिकाओं का वृक्ष मित्र के रूप में लक्ष्य निर्धारण किया जाता है। प्रत्येक विद्यालय जो जोधपुर के समस्त ब्लॉकों तथा शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में पौधारोपण किया जाता है, उनको पानी व खाद वृक्ष मित्रों (विद्यार्थियों) द्वारा किया जाता है।

सत्र 2020–21 के अनुसार जिले में प्रारंभिक शिक्षा के विद्यालय ब्लॉकों में स्थित सहित 2025 व कुल रा. प्राथमिक विद्यालय 744, 175 रा. माध्यमिक विद्यालय 515 रा.उ.मा. विद्यालय है, जहां वृक्षारोपण कार्य हरित पाठशाला कार्यक्रम अन्तर्गत पर्यावरण स्वास्थ्य वृद्धि की दृष्टि से किया जाता है।

इको क्लब (Green cordior)

जोधपुर जिले के समस्त रा.मा. विद्यालय व रा.उ.प्रा. विद्यालयों में इको क्लब की स्थापना अनिवार्य रूप से जिला स्काउट कार्यालय विटठलेश्वन चौपासनी द्वारा प्रति विद्यालय प्रति एक स्काउट अध्यापक को इको क्लब संबंधी प्रशिक्षण 5 दिवसीय प्रदान किया जाता है तथा साथ ही इसके लिए 2500/– की राशि भी प्रदान की जाती है। विद्यालय में एक बोर्ड ग्रीन रंगयुक्त बनवाया जाता है जिस पर इको क्लब Green Core लिखवाया जाना अनिवार्य है।

इको क्लब का कार्य पर्यावरण संतुलन (पर्यावरण स्वास्थ्य) वृद्धि हेतु कार्य निश्चित किये जाते हैं। पहला कार्य विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्य कर उनका संरक्षण व सुरक्षा खाद–पानी सुनिश्चित किया जाता है, विद्यार्थी मित्र यह दायित्व निर्वहन करते हैं। ऑक्सीजन में वृद्धि होती है।

दूसरा कार्य इको क्लब के अन्तर्गत पक्षियों हेतु पानी पिलाने हेतु पलिंडों (पानी रखने का मिट्टी का बर्तन) की व्यवस्था की जाती है, जिससे छोटे–बड़े पक्षी अपनी प्यास बुझाते है। ये सभी कार्य पर्यावरणीय

स्वास्थ्य वृद्धि में शिक्षा व शिक्षालयों का एक योगदान को दर्शाता है, आज के समय की महत्ती आवश्यकता है।

समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम क्रियान्विती व उपलब्धियों को प्रदर्शित करती समाचार पत्रिकाएं सूचना मीडिया द्वारा दर्शाती प्रमुख तथ्यात्मक रिपोर्ट :–

हरित पाठशाला कार्यक्रम (पर्यावरण संतुलन) क्रियान्विती एवं उपलब्धि (तथ्यात्मक रिपोर्ट) सत्र 2021–22 नेहरू युवा केन्द्र ने समग्र शिक्षा अभियान जोधपुर जिले के नांदड़ी दिसम्बर 21 ग्राम में स्वच्छ ग्राम, हरित ग्राम युवा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन स्वच्छता व हरितिमा के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह कुम्पावत ने युवाओं को इस हेतु प्रेरित कर कार्यक्रम को क्रियान्विती प्रदान की तथा लक्ष्यों को आत्मसात कर तैयार होने को कहा। क्षेत्रीय लोक सम्पर्क अधिकारी आशिष वर्मा ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

अणुव्रत समिति जोधपुर की ओर से नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम :– सत्र 2021–22 दिसम्बर, एक अन्य समसा के कार्यक्रम की क्रियान्विती राजकीय नवीन उ.मा.विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा जोधपुर श्री भल्लूराम खीचड़ का नशामुक्ति, पर्यावरण, बिजली व जल संरक्षण आदि के पोस्टर भेंट किए गए। समिति की अध्यक्ष सुधा भंसाली ने बच्चों को प्रार्थना सभा में अणुव्रत गति को सम्मिलित करने की अपील की।

इस प्रकार 'समसा' के अन्तर्गत हरित पाठशाला कार्यक्रम हेतु कार्यक्रम की क्रियान्विती प्रत्येक राजकीय विद्यालयों में एक निश्चित संस्था में नर्सरी पौधे आवंटित किये जाते हैं तथा विद्यार्थी वृक्ष या पौध मित्र बनकर उनकी देखभाल का कार्य करते हैं। जिससे पर्यावरणीय स्वास्थ्य में वृद्धि होती है।

झंवर : विद्यालय में लगाए पौधे :–

धुंधाड़ा/पत्रिका दिनांक 15.7.22 के अनुसार क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झंवर में सतत पौधरोपण कार्यक्रम के तीसरे चरण में विद्यालय परिसर में शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण व हरित पाठशाला अर्थात पाठशाला को हरा–भरा करने का संदेश दिया। प्राचार्य जय प्रकाश जांगिड़ ने बताया कि शुक्रवार 15.07.22 को विद्यालय परिसर में जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक श्रीमती संतोष अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक श्री राजूराम तथा सीबीईओ घंटियाली नटवर नांगल ने विद्यालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सरपंच भंवरलाल पटेल, दीपसिंह राठौड़ एवं श्रवणराम आदि की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया।

बावरली स्कूल में 100 पौधे भेंट :–

आगोलाई पत्रिका क्षेत्र की बावरली ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार दिनांक 16.07.2022 को कामधेनु सेना के सहयोग से स्कूल में 100 पौधे भेंट किए गए। कामधेनु सेना बालेसर तहसील, बगताराम गोदारा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण कर स्कूल में पौधे भेंट किए गए। इस दौरान कामधेनु सेना के ताराचंद चौहान, रमेश खिलेरी, बाबूलाल सोनी, प्रकाश, जालाराम गोदारा तथा स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण :–

जोधपुर पत्रिका मुस्कान ग्रुप की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय आसोप की पोल हाल भट्टी की बावड़ी में पौधारोपण पटेल द्वारा किया गया। संस्थापक निर्मल कुमार माथुर, राजेन्द्र, राजेश्वरी, मधुबाला, वीणा माथुर, निशांत माथुर सहित विद्यालय के स्टाफ तथा बच्चों को उत्साह पूर्ण भागीदारी में एक सौ से अधिक पौधे लगाए गए।

इस प्रकार राजस्थान पत्रिका से प्राप्त तथ्यात्मक रिपोर्ट में समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम अन्तर्गत इस पर्यावरण संरक्षण, हरित पाठशाला कार्यक्रम क्रियान्विती फलस्वरूप उपलब्धियों को अनुसंधान में प्रकट किया गया है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य वृद्धि से संबंधित क्रिया कलाप है।

समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम क्रियान्विती उपलब्धियों पर शोध लेख विधि वर्णातमक तथा विवरणात्मक का प्रयोग किया गया है। इसमें संबंधित चरो (समकों) व आवश्यक तथ्यों को द्वितीयक आंकड़ों को लेकर किया गया है। इन तथ्यों तथा संमकों को विद्यालयों तथा विभाग तक ही सीमित रखा गया है। जिसमें क्रियान्विती व उपलब्धियों को यहां एक लेख (Article) द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसमें परिकल्पना–उपकल्पना की आवश्यकता नहीं पड़ी है, केवल वर्णन तथा विवेचन किया गया है।

निष्कर्ष :–

पर्यावरणीय स्वास्थ्य वृद्धि में शिक्षा का योगदान वर्तमान समय में अत्यधिक महत्वपूर्ण दृष्टि गोचर होता है, जो जैवकीय व अजैवकीय पर्यावरण में हमें प्रभावित कर रहा है, आज हमारा जीवन पर्यावरण के स्वास्थ्य पर ही निर्भर है।

आज सामाजिक वातावरण में बढ़ती बीमारियां अकाल मृत्यु पौष्टिक खान–पान, रहन–सहन, रीति रिवाजों स्वस्थ परम्पराओं सभी जीवन के पहलुओं के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य वृद्धि के लिए अच्छी शिक्षा की आवश्यकता व योगदान है, जिससे दैहिक, दैविक भौतिक सभी के शिक्षा का योगदान अप्रितम है। अगर पर्यावरणीय स्वास्थ्य पूर्ण शिक्षा नहीं होगी तो संसार की समाप्ति तय है।

उक्त लेख मेरे अनुसंधान शीर्षक ''समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम : जोधपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में कार्यक्रमों की क्रियान्विती उपलब्धियों पर एक शोध प्रबन्धन'' के अन्तर्गत ही विषय–वस्तु पर आधारित है।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. शर्मा श्रीमती आर के दुबे, एस के शर्मा, एच.एस. बरौलिया, डॉ. ए. शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी के तत्व राधा प्रकाशन मन्दिर प्रा. लिमिटेड आगरा 2011
2. देवनानी वासुदेव मुख्य संरक्षक, गंगवार नरेशपाल आई.ए.एस. संरक्षक, आई ए एस डॉ. जोगाराम आयुक्त वार्षिक कार्य योजना राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिषद जयपुर 2017–18
3. व्यक्तिगत सम्पर्क व वार्तालाप, प्रजापत श्री भीखाराम, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा अभियान, जोधपुर
4. पत्र–पत्रिकाएं–राजस्थान पत्रिका व दैनिक भास्कर प्रकाशित (जोधपुर शहर) द्वारा समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित उल्लेखित रिपोर्टस व चित्रांकन।

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation